Adda247

भाग – IV / PART – IV

हिन्दी / HINDI

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए **सबसे उचित** विकल्प चुनिए।

91. संज्ञा की दृष्टि से *असंगत* विकल्प चुनिए –

1) संज्ञा एक विकारी पद है, जिसके कारक, लिंग एवं वचन विकारक कहे जा सकते हैं।

2) रामायण, पृथ्वी एवं ताजमहल शब्द व्यक्तिवाचक संज्ञाओं के उदाहरण हैं।

3) द्रव्यवाचक संज्ञाओं का प्रयोग बहुवचन में होता है एवं ऐसी संज्ञाओं को अगणनीय संज्ञाएँ भी कहा जाता है।

4) ऐश्वर्य, थकावट एवं किसानी यौगिक भाववाचक संज्ञाओं के उदाहरण हैं।

92. रसावयव के संदर्भ में *असंगत* विकल्प चुनिए –

1) विभावों के अभाव में स्थायी भाव 'सुषुप्तावस्था' में रहते हैं।

2) अनुभावों के माध्यम से ही रसास्वादन की सूचना प्राप्त होती है।

3) संचारी भाव संचरणशील एवं चंचल मनोवृत्तियों के द्योतक हैं।

4) आलम्बन रसोत्पत्ति के 'प्राकृतिक कारण' हैं; जबकि उद्दीपन रसोत्पत्ति के 'सजीव कारण' हैं।

93. निम्न में से किस विकल्प का विवरण *असंगत* है ?

1) स्वर एवं स्वर सहित व्यंजन 'अक्षर', जबकि स्वर एवं स्वर रहित व्यंजन 'वर्ण' कहलाते हैं।

2) कारक चिह्न रहित वर्ण समुदाय 'शब्द', जबकि कारक चिह्न युक्त वर्ण समुदाय 'पद' कहलाता है।

3) आकांक्षा, योग्यता एवं सन्निधि युक्त पदों का समूह ही 'वाक्य' कहलाता है।

4) अनुनासिक स्वर एवं व्यंजन से पृथक् ध्वनि है, जबकि अनुस्वार की गणना स्वर एवं व्यंजन से पृथक् नहीं होती है।

94. *असंगत* कथन चुनिए –

1) इस करुणा कलित हृदय में,
अब विकल रागिनी बजती – छेकानुप्रास

2) कूलनि में कलिन में कछारन में कुंजन में,
क्यारिन में कलित कलीन किलकंत है।
– लाटानुप्रास

3) मचलते चलते ये जीव हैं,
दिवस में वस में रहते नहीं।
– यमक अलंकार

4) चरण धरत, चिंता करत भावै नींद न सौर।
सुबरन को ढूँढत फिरत कवि, कामी अरु चौर।। – श्लेष अलंकार

95. समकालीन कविता के प्रमुख काव्य आंदोलन एवं प्रवर्तक की दृष्टि से कौन-सा विकल्प सही *नहीं* है ?

1) बीट कविता - राजकमल चौधरी
2) युयुत्सावादी कविता - श्रीराम सिंह 'शलभ'
3) सहज कविता - डॉ० वीरेन्द्र कुमार
4) अकविता आंदोलन - जगदीश चतुर्वेदी

96. पाठ्यक्रम निर्माण में ब्लूम के निर्धारण का महत्त्व इसलिए है क्योंकि -

1) यह निर्धारण 'सरल से जटिल' सिद्धान्त पर आधारित है।
2) इसकी सहायता से मूल्यांकन विधियों की वैधता का परीक्षण सरलतापूर्वक किया जा सकता है।
3) इस निर्धारण से उचित परीक्षा स्थितियों के चयन में भी सुविधा होती है।
4) यह निर्धारण तर्क की अपेक्षा भावाधारित है।

97. रसनिष्पत्ति सूत्र से संबंधित व्याख्याता आचार्यों के विषय में प्रदत्त विवरण में से किस विकल्प में *असंगति* है ?

1) भट्टलोल्लट ने 'संयोग' का अर्थ उत्पाद्य-उत्पादक भाव संबंध माना एवं रस की अवस्थिति सहृदय के चित्त में मानी है।
2) श्री शंकुक के सिद्धान्त का नाम 'अनुमितिवाद' है, इन्होंने रस सूत्र को 'चित्र-तुरग न्याय' के माध्यम से स्पष्ट किया।
3) भट्टनायक ने संयोग का अर्थ 'भोज्य-भोजक' माना है।
4) अभिनवगुप्त के सिद्धान्त का नाम 'अभिव्यक्तिवाद' है, इन्होंने संयोग का अर्थ 'व्यंग्य-व्यंजक' माना है।

98. "झलकी भरि भाल कनी जल की, पुटि सुधि गये मधुराधर है।
पलकु कँपनि, पुलकति पलकु, पलकु पसीजति जाति।।"
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सा अनुभाव प्रयुक्त हुआ है ?

1) वैवर्ण्य
2) आहार्य
3) सात्त्विक
4) वाचिक

99. *असंगत* विकल्प का चयन कीजिए -

1) सुनना एवं पढ़ना भाषा के ग्राह्यात्मक कौशल हैं।
2) द्रुत एवं गंभीर पठन मौखिक पठन के भेद हैं।
3) ध्वनि-साम्य एवं देखो और कहो विधियाँ पठन शिक्षण की विधियाँ हैं।
4) मौखिक अभिव्यक्ति लिखित अभिव्यक्ति की आधारशिला है।

100. "रस कविता को अंग, भूषन हैं भूषन सकल।
गुन सरूप और रंग, दूषण करै कुरूपता।।"
किस कवि की उक्ति है ?

1) भिखारीदास
2) कुलपति मिश्र
3) केशवदास
4) महाकवि देव

101. सूची I को सूची II के साथ मिलान करते हुए *सही* उत्तर चुनें :

सूची - I	सूची - II
(A) वर्तनी संबंधी विकार	(i) ऑडीटरी प्रोसेसिंग डिसऑर्डर
(B) श्रवण संबंधी विकार	(ii) डिस्ग्रैफिया
(C) पठन संबंधी विकार	(iii) डिस्लेक्सिया
(D) लेखन संबंधी विकार	(iv) डिस्ग्राफिया

सही विकल्प का चुनाव करें :

	A	B	C	D
1)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
2)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

102. "शक्ति निपुणता लोकमत, वितपति अरु अभ्यास।
अरु प्रतिभा ते होत है, काव्य ललित प्रकास।।"
उक्त काव्य-हेतु किसके द्वारा प्रदत्त है ?

1) केशवदास
2) सुखदेव मिश्र
3) श्रीपति
4) भिखारीदास

103. किस विकल्प में व्याकरण पाठ-योजना के सोपान हैं ?

1) प्रस्तावना - उद्देश्य कथन - प्रस्तुतीकरण - अनुकरणवाचन - काठिन्यनिवारण
2) प्रस्तावना - उद्देश्य कथन - प्रस्तुतीकरण - श्यामपट्ट सार - सामान्यीकरण - नियमीकरण
3) प्रस्तावना - उद्देश्य कथन - प्रस्तुतीकरण - पाठाभिनय - मूल्यांकन - गृहकार्य
4) प्रस्तावना - उद्देश्य कथन - प्रस्तुतीकरण - बोधप्रश्न - मौनवाचन

104. शब्द शक्ति के संदर्भ में कौन-सा विकल्प संगत *नहीं* है ?

1) लक्षणा शब्द शक्ति को 'अभिधापुच्छभूता' कहा जाता है।
2) व्यंजना शब्द शक्ति को ही 'प्रतीयमानार्थ' कहा जाता है।
3) मुख्यार्थ बाध, मुख्यार्थ योग तथा रूढ़ि या प्रयोजन इन तीनों को लक्षणा का समुदित हेतु कहा जाता है।
4) जब सादृश्य संबंध के अतिरिक्त अन्य संबंध से लक्ष्यार्थ का ज्ञान हो, वहाँ गौणी लक्षणा होती है।

105. कृति एवं उसकी साहित्यिक विधा की दृष्टि से संगत विकल्प *नहीं* है ?

1) भिखारिणी - उपन्यास
2) दर्द के पैबंद - कहानी
3) तप्ता संवरण - नाटक
4) मारेसि मोहि कुठाँव - निबन्ध

106. भाषा संसर्ग प्रणाली का गुण *नहीं* है -

1) यह शिक्षण को रोचक एवं क्रियाशील बनाती है।
2) इसमें व्याकरण की पाठ्यपुस्तक की आवश्यकता नहीं होती है।
3) इस विधि में समय सर्वाधिक लगता है।
4) यह विधि विद्यार्थी केन्द्रित विधि है।

07. "राजत रंग न दोष जुत, कविता बनिता मित्त।
बुंदक हाला होत ज्यों, गंगा घट अपवित्र।।"
काव्यदोषों के संदर्भ में उक्त विचार किसके हैं ?
1) केशवदास 2) चिंतामणि
3) भिखारीदास 4) प्रतापसाहि

08. छंद के संदर्भ में *असंगत* विकल्प चुनिए -
1) मात्राएँ सदैव स्वर या स्वर युक्त वर्णों पर अंकित की जाती हैं, व्यंजन वर्णों पर नहीं।
2) किसी भी छंद का वाचन करते समय स्वर में आने वाले आरोह-अवरोह को 'तुक' कहा जाता है।
3) 'मगण' सर्वगुरु होता है, जबकि नगण सर्वलघु होता है।
4) 'वृत्तरत्नाकर' के रचयिता केदार **भट्ट हैं,** जबकि 'छंद मंजरी' आचार्य पद्माकर द्वारा लिखित है।

09. निम्न काव्य रचनाओं के रचयिताओं की दृष्टि से *असंगत* कथन चुनिए -
1) कुआनो नदी - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
2) अकाल में सारस - कुँवर नारायण
3) एक कंठ विषपायी - दुष्यन्त कुमार
4) मछलीघर - विजयदेव नारायण साही

110. "चमचमात चंचल नयन, बिच घूँघट पट झीन।
मानहु सुरसरिता विमल, जल उछलत युग मीन।।"
उक्त दोहा किस अलंकार का उदाहरण है ?
1) श्लेष 2) उत्प्रेक्षा
3) भ्रांतिमान 4) संदेह

111. निम्न में से मूल्यांकन का उद्देश्य है -
1) विद्यार्थी की क्रमोन्नति का निर्धारण करना।
2) विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना।
3) विद्यार्थियों के व्यवहार परिवर्तन का पता लगाना।
4) उपरोक्त सभी

112. किस विकल्प में पाठ्यपुस्तक के **बाह्य पक्ष** का गुण *नहीं* है ?
1) चित्रांकन
2) जीवन से संबद्धता
3) गुणवत्ता
4) सूचनात्मक पक्ष

113. किस विकल्प में कोई भी अशुद्ध शब्द प्रयुक्त *नहीं* हुआ है ?
1) आतताई, दरियाई, कृतकृत्य
2) सात्यकि, जानकी, छिपकिली
3) पाणिनी, बिमारी, तिलांजली
4) शिरीष, जयन्ति, कौषीतकी

114. "सिंधु सेज पर धरा वधू अब, तनिक संकुचित बैठी-सी।
प्रलय निशा की हलचल स्मृति में, मान किए-सी ऐंठी-सी।।"
उपर्युक्त पंक्तियों में कौन-सी शब्द शक्ति प्रधानतः प्रयुक्त हुई है ?
1) गौणी लक्षणा
2) उपादान लक्षणा
3) शाब्दी व्यंजना
4) आर्थी व्यंजना

115. काव्य गुणों के संदर्भ में एक विकल्प *असंगत* है, उसे छाँटिए -
1) आचार्य भामह श्रव्यत्व और अनतिसमस्तत्व को माधुर्य गुण कहते हैं।
2) आचार्य मम्मट ने अपने ग्रंथ काव्यप्रकाश में अलंकारों को शौर्यादिवत् एवं गुणों को हारादिवत् कहा है।
3) आचार्य वामन ने अपने ग्रंथ काव्यालंकार सूत्रवृत्ति में ओज का लक्षण 'गाढबंधत्व' दिया है।
4) आचार्य आनंदवर्धन ने प्रसाद गुण में 'सभी रसों के प्रति सम्पर्कत्व' स्वीकार किया है।

116. *असंगत* विकल्प चुनिए -
1) कवि के कठिनाध्य कर्म की करते नहीं हम धृष्टता। - श्रुतिकटुत्व दोष
2) विषमय यह गोदावरी अमृतन को फल देत। - अप्रतीतत्व दोष
3) हे हर हार आहार सुत, मैं विनवत हूँ तोय। वैरिन के पति सुतन से, शीघ्र मिला दे मोय।। - दुष्क्रमत्व दोष
4) मुँड मुँडाये हरि मिले तो हर कोई लेहि मुँडाय। - ग्राम्यत्व दोष

117. "प्रिय पति वह मेरा, प्राण प्यारा कहाँ है ?
दुख जलनिधि डूबी, का सहारा कहाँ है ?
लख मुख जिसका मैं, आज लौं जी सकी हूँ।
वह हृदय हमारा, नैन तारा कहाँ है।।"
उपर्युक्त पंक्तियाँ किस छंद की उदाहरण हैं ?
1) मालिनी
2) वंशस्थ
3) वसन्ततिलका
4) शिखरिणी

118. कौन-सा विकल्प सुमेलित *नहीं* है ?
1) मंटो : मेरा दुश्मन - उपेन्द्रनाथ 'अश्क'
2) कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह
3) माटी की मूरतें - रामवृक्ष बेनीपुरी
4) कब्रिस्तान में पंचायत - मनोहर श्याम जोशी

119. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन का उद्देश्य *नहीं* है -
1) मूल्यांकन को अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया का अविभाज्य हिस्सा मानना।
2) अध्यापन और अधिगम प्रक्रिया को शिक्षक केन्द्रित कार्यकलाप बनाना।
3) बोधात्मक एवं भावनात्मक कौशलों का विकास करना।
4) सीखने की प्रक्रिया पर बल देना।

P. T. O.

Adda247

120. "नील सरोरुह स्याम, तरुन अरुन वारिज नयन।
करउ सो मम उर धाम, सदा छीर सागर सयन।।"
उक्त पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है -
1) उपमेय लुप्तोपमा
2) उपमान लुप्तोपमा
3) साधारणधर्म लुप्तोपमा
4) वाचक लुप्तोपमा

121. निम्न में से कौन-सा विवरण *असंगत* है ?
1) संपत्ति का पर्यायवाची 'रिक्थ' है।
2) युधिष्ठिर का पर्यायवाची 'हेरम्ब' है।
3) बिल्ली का पर्यायवाची 'शालावृक' है।
4) सूर्य का पर्यायवाची 'तरणी' है।

122. *असंगत* कथन चुनिए -
1) 17 सर्गों में विभाजित 'प्रिय-प्रवास' खड़ी बोली हिंदी का पहला महाकाव्य माना जाता है।
2) प्रेमाम्बु-वारिधि एवं रसकलश हरिऔध जी की काव्य रचनाएँ हैं।
3) आधुनिक खड़ी बोली के प्रथम स्वच्छंदतावादी कवि श्रीधर पाठक हैं।
4) आधुनिक हिंदी साहित्य में 'बाल साहित्य के जनक' रूपनारायण पाण्डेय हैं।

123. कौन-सा विकल्प सुमेलित *नहीं* है ?
1) "धन्य भूमि भारत सब रतननि की उपजावनि" - प्रेमघन
2) "हमारो उत्तम भारतदेश" - बालकृष्ण भट्ट
3) "जहाँ करुणानिधि केशव सोए,
जानत नाहिं अनेक जतन करि
भारतवासी रोए।" - भारतेन्दु
4) "सब धन लिये जात अँगरेज़।
हम केवल लेक्चर के तेज़।।"
- प्रतापनारायण मिश्र

124. हिंदी साहित्य के आधुनिक काल के सन्दर्भ में किस विकल्प की संगतता *नहीं* है ?
1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल 1843 ई० से रीतिकाल का अंत एवं आधुनिक काल की शुरूआत मानते हैं।
2) आधुनिक कालीन साहित्य में मनुष्य का ईश्वर रूप में चित्रण हुआ है।
3) "रस्मौ रिवाज भाखा का दुनिया से उठ गया।" यह उक्ति सदल मिश्र ने कही।
4) इस काल में साहित्यिक भाषा के रूप में खड़ी बोली की प्रतिष्ठा हुई।

125. सूफी काव्यधारा के प्रथम कवि एवं कृति के संदर्भ में *सही* छाँटिए -
1) कुतुबन कृत मृगावती - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) ईसरदास कृत सत्यवती कथा - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) मुल्ला दाऊद कृत चंदायन - बच्चन सिंह
4) असाइत कृत हंसावली - डॉ० नगेन्द्र

126. उपसर्ग के संदर्भ में *अनुचित* विकल्प चुनिए -
1) आस्वादन, आक्रोश - 'आ' उपसर्ग
2) कुसुम, कुतर्क - 'कु' उपसर्ग
3) अन्वीक्षण, अन्वित - 'अनु' उपसर्ग
4) पर्यटन, पर्याय - 'परि' उपसर्ग

127. निम्न में से कौन-सा कथन संगत *नहीं* है ?
1) मुल्कराज आनंद, सज्जाद जहीर इत्यादि ने भारत की ओर से सर्वप्रथम इंग्लैण्ड में जुलाई 1935 ई० में 'भारतीय प्रगतिशील लेखक संघ' की स्थापना की।
2) डॉ० गणपतिचंद्र गुप्त ने कालक्रम की दृष्टि से रामेश्वर 'करुण' कृत ब्रजभाषा काव्य 'करुण सतसई' को प्रथम प्रगतिवादी रचना माना है।
3) राजनीति के क्षेत्र में जो समाजवाद या साम्यवाद है, साहित्य के क्षेत्र में वही प्रगतिवाद है।
4) सुमित्रानंदन पंत के युगवाणी काव्य-संग्रह में नौका-विहार, चाँदनी, एकतारा एवं भावी पत्नी के प्रति कविताएँ संग्रहीत हैं।

128. किस विकल्प में सही विलोम युग्म *नहीं* है ?
1) वैमनस्य - सौमनस्य
2) परुष - कठोर
3) आज्ञा - अवज्ञा
4) निंद्य - वन्द्य

129. "भारतेन्दु का पूर्ववर्ती काव्य-साहित्य संतों की कुटिया से निकलकर राजाओं और रईसों के दरबार में पहुँच गया था, उन्होंने एक तरफ तो काव्य को फिर से भक्ति की पवित्र मंदाकिनी में स्नान कराया और दूसरी तरफ उसे दरबारीपन से निकालकर लोक-जीवन के आमने-सामने खड़ा कर दिया।"
उक्त कथन का संबंध किस आलोचक से है ?
1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3) रामस्वरूप चतुर्वेदी
4) डॉ० रामविलास शर्मा

130. कबीर के साहित्य में वर्णित विचार एवं उनके आधार/स्रोत को सुमेलित कीजिए -

(A) शून्यवाद	(i) वेदान्त दर्शन
(B) एकेश्वरवाद	(ii) बौद्ध सम्प्रदाय
(C) उलटबासियाँ	(iii) सिद्ध साहित्य
(D) ज्ञान एवं मोक्ष की अवधारणा	(iv) इस्लाम धर्म

	A	B	C	D
1)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
2)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
4)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)

P. T. O.

131. नाथ साहित्य के संदर्भ में कौन-सा विवरण *असंगत* है ?
1) इस साहित्य में सिद्धों की भोगविलास प्रवृत्ति की भर्त्सना की गई है।
2) सर्वाधिक नारी निंदा आदिकाल की इसी धारा में मिलती है।
3) आ० रामचंद्र शुक्ल गोरखनाथ के संदर्भ में कहते हैं कि - "शंकराचार्य के बाद इतना प्रभावशाली और इतना महिमान्वित व्यक्तित्व भारतवर्ष में कोई दूसरा नहीं हुआ।"
4) नाथ साहित्य को हिंदी साहित्य की पूर्व पीठिका कहा जाता है।

132. "देशभक्त वीरों, मरने से नेकु नहीं डरना होगा। प्राणों का बलिदान देश की वेदी पर करना होगा।।" उक्त पंक्तियों के रचयिता हैं -
1) रामनरेश त्रिपाठी
2) सत्यनारायण 'कविरत्न'
3) नाथूराम शर्मा 'शंकर'
4) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'

133. कौन-सा विकल्प सुमेलित *नहीं* है ?
1) अपने-अपने अजनबी - अज्ञेय
2) शिलापंख चमकीले - शमशेर बहादुर सिंह
3) मेरी वाणी गैरिक वसना - धर्मवीर भारती
4) हँसो-हँसो जल्दी हँसो - रघुवीर सहाय

134. निम्न में से मैथिलीशरण की कौन-सी कृति महाभारतीय पात्रों, प्रसंगों एवं उपाख्यानों पर आधारित कृति *नहीं* है ?
1) गुरुकुल
2) वन-वैभव
3) नहुष
4) तिलोत्तमा

135. निम्न साहित्यिकवादों का *सही* अनुक्रम बताइए -
1) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रपद्यवाद, प्रयोगवाद
2) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रपद्यवाद, प्रगतिवाद
3) छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, प्रपद्यवाद
4) छायावाद, प्रपद्यवाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद

136. प्रदत्त विकल्पों में एक विकल्प संगत *नहीं* है, उसे छाँटिए -
1) सिद्धों की बानियों को 'हिन्दी काव्यधारा' नाम से पं० राहुल सांकृत्यायन ने संग्रहीत किया है।
2) अपभ्रंश कवि स्वयंभू को अपभ्रंश साहित्य का व्यास कहा जाता है।
3) सिद्धों ने तत्त्व ज्ञान की उपेक्षा की तथा शून्यवाद की प्रतिष्ठा की।
4) "काया तरवर पंच विडाल, चंचल चीर पाइठो काल" पंक्ति के रचनाकार 'लुइपा' हैं।

137. सही विवरण किस विकल्प में *नहीं* है ?
1) माखनलाल चतुर्वेदी को 'हिमकिरीटिनी' काव्य संग्रह के लिए 'साहित्य अकादमी' पुरस्कार मिला।
2) रामधारी सिंह 'दिनकर' के काव्य-संग्रह 'हुँकार' की कविताओं को डॉ० बच्चन सिंह ने 'वैदिक का जागरण गान' कहकर पुकारा है।
3) कवि दिनकर ने अपनी रचना 'उर्वशी' को 'कामाध्यात्म' की संज्ञा दी है।
4) 'क्वासि' एवं 'हम विषपायी जनम के' रचनाएँ बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' की हैं।

138. रचनाकाल की दृष्टि से निम्न कृतियों का *सही* अनुक्रम है -
1) पल्लव, कामायनी, कुकुरमुत्ता, दीपशिखा
2) पल्लव, कामायनी, दीपशिखा, कुकुरमुत्ता
3) कामायनी, पल्लव, दीपशिखा, कुकुरमुत्ता
4) कुकुरमुत्ता, दीपशिखा, पल्लव, कामायनी

139. किस पत्रिका का संबंध भारतेन्दु हरिश्चंद्र से *नहीं* है ?
1) बालाबोधिनी
2) कविवचन सुधा
3) हरिश्चंद्र चंद्रिका
4) आनंद कादंबिनी

140. प्रदत्त कथनों में से *असंगत* विकल्प का चयन कीजिए -
1) हिन्दी साहित्य का 'दोहरे नामकरण एवं दोहरा वर्गीकरण' करने वाले साहित्यकार - आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) हिंदी साहित्य में आलोचना पर लिखित प्रथम पुस्तक - हिंदी नवरत्न
3) हिंदी साहित्येतिहास का प्रस्थान बिंदु - शिवसिंह सरोज
4) मध्यकाल सामान्यतः जकड़ी हुई मनोवृत्ति का परिचायक है - डॉ० बच्चन सिंह

141. 'चन्द्रमा-शिव' का सांकेतिक शब्द-युग्म है -
1) शशांक - शशिकला
2) शशक - शशधर
3) शशधर - शशिधर
4) शशी - शशिपूजक

142. *असंगत* विकल्प चुनिए -
1) आलवार संतों में सबसे लोकप्रिय संत 'नम्म या शठकोप' हैं।
2) हिंदू-मुस्लिम सांस्कृतिक समन्वय की नींव ज्ञानमार्गी कवियों ने रखी।
3) मूर्तिपूजा एवं अवतारवाद संतकाव्य की प्रवृत्ति नहीं है।
4) निर्गुण भक्ति में केवल 'ज्ञान' को ही महत्त्व दिया गया है।

143. नागरीप्रचारिणी सभा से प्रकाशित 'हिन्दी साहित्य का बृहद् इतिहास' के खण्डों के संपादन की दृष्टि से *असंगत* विकल्प चुनिए -
1) हिंदी साहित्य की पीठिका - डॉ० राजबली पाण्डेय
2) हिंदी साहित्य का परिष्कार (द्विवेदीकाल) - डॉ० रामकुमार वर्मा
3) हिंदी भाषा का विकास - डॉ० राम अवध द्विवेदी
4) हिंदी का लोक साहित्य - म० पं० राहुल सांकृत्यायन

144. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में *असत्य* कथन है -
1) यह कविता रघुवीर सहाय के काव्य संग्रह 'लोग भूल गए हैं' में संग्रहीत है।
2) कविता में कवि ने साधारण शैली में समाज की दारुण विडम्बनाओं को उजागर किया है।
3) कविता के माध्यम से कवि ने टेलीविजन स्टूडियो के भीतर की दुनिया को उजागर किया है।
4) यह कविता शारीरिक रूप से मज़बूत व्यक्तियों के प्रति संवेदनशील है।

P. T. O.

145. समास की दृष्टि से संगत कथन *नहीं* है, उसे छाँटिए -

1) परीक्षाभवन - संप्रदान तत्पुरुष
2) मनसिज - अलुक् तत्पुरुष
3) शाखामृग - मध्यम पद लोपी तत्पुरुष
4) इकहत्तर - अव्ययीभाव

146. कौन-सी कृति नागार्जुन रचित *नहीं* है ?

1) पत्रहीन नग्न गाछ
2) प्यासी पथराई आँखें
3) पुरानी जूतियों का कोरस
4) मिट्टी की बारात

147. "जब तक भाषा बोलचाल में थी, तब तक यह 'भाषा' अथवा 'देशभाषा' कहलाती रही, परन्तु जब साहित्य में प्रयुक्त होने लगी, तब उसके लिए 'अपभ्रंश' शब्द का व्यवहार होने लगा।"
आदिकालीन साहित्य की भाषा के संदर्भ में उक्त कथन किसका है?

1) आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2) डॉ० बच्चन सिंह
3) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4) डॉ० नामवर सिंह

148. निम्न काव्यपंक्तियों के रचयिताओं की दृष्टि से बेमेल विकल्प चुनें -

1) "अधर मधुरता, कठिनता कुच, तीछनता चौर।
रस कवित-परिपक्वता जाने रसिक न और।" - भिखारीदास
2) "या अनुराग की फाग लखौ, जहँ रागती राग किसोर किसोरी" - [illegible]
3) "ब्रह्म मैं ढूँढ्यो पुरानन गानन, बेद-रिचा सुनी चौगुने चायन।" - रसखान
4) "संतन को कहा सीकरी सों काम।" - कुंभनदास

149. कवि आलोक धन्वा ने अपनी 'पतंग' कविता में वर्णन किया है -

1) कारोबारी व्यक्तियों की कल्पना शक्ति का
2) प्राचीन भारतीय संस्कृति का
3) पतंग के बहाने बाल सुलभ इच्छाओं एवं उमंगों का
4) महानगरीय जन-जीवन का।

150. किस विकल्प का विवरण व्याकरणात्मक दृष्टि से *अनुचित* है ?

1) कृतिका + एय = कार्तिकेय
2) दम्पति + य = दाम्पत्य
3) विभु + अ = वैभव
4) बदरी + आयन = बादरायण